परिभाषा की कविता

परिभाषा का अर्थ है चीजों के अनावश्यक विस्तार में न जाकर उन्हें एक या दो पंक्तियों में सीमित कर देना। परिभाषाओं के कारण ही यह संभव हुआ कि हम हाथी जैसे जानवर या गरीबी जैसी बड़ी घटना को दिमाग के छोटे-छोटे खानों में हूबहू रख सकते हैं। स्कूली बच्चे इसी कारण दुनिया के समुद्रों को पहचानते हैं और रासायनिक यौगिकों के लंबे-लंबे नाम पूछने पर तुरंत बता देते हैं।

परिभाषाओं की एक विशेषता यह है कि वे परिभाषित की जानेवाली चीजों से पहले ही बन गई थीं। अत्याचार से पहले अत्याचार की परिभाषा आई। भूख से पहले भूख की परिभाषा जन्म ले चुकी थी। कुछ लोगों ने जब भीख देने के बारे में तय किया तो उसके बाद भिखारी प्रकट हुए।

परिभाषाएं एक विकल्प की तरह हमारे पास रहती हैं और जीवन को आसान बनाती चलती हैं। मसलन मनुष्य या बादल की परिभाषाएं याद हों तो मनुष्य को देखने की बहुत जरूरत नहीं रहती और आसमान की ओर आंख उठाए बिना काम चल जाता है। संकट और पतन की परिभाषाएं भी इसलिए बनाई गईं।

जब हम किसी विपत्ति का वर्णन करते हैं या यह बतलाना चाहते हैं कि चीजें किस हाल में हैं तो कहा जाता है कि यह शब्दों का अपव्यय है। एक आदमी छड़ी से मेज बजाकर कहता है : बंद करो यह पुराण बताओ परिभाषा। ◆

मंगलेश डबराल